पर्यटन अध्ययन

बीटीएस
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2020)

टीएस–4 और टीएस–5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

बीटीएस सत्रीय कार्य

पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–4 और टीएस–5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर अपनी नामांकन सं., नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें।

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आशा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) **योजना बनानाः** सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें किः
   - क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
   - ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।
   - ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) **प्रस्तुतिः** जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ.अरविन्द कुमार दुबे
कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	जनवरी 20 सत्र के लिए अंतिम तिथि	जुलाई 20 सत्र के लिए अंतिम तिथि
टीएस–4	अप्रैल 15, 2020	अक्तूबर 15, 2020
टीएस–5	अक्तूबर 15, 2020	अप्रैल 15, 2021

टीएस–4 : भारतीय संस्कृति : पर्यटन के लिए परिपेक्ष्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस–4 | कार्यक्रम : बीटीएस

कुल अंक : 100 | सत्रीय कार्य कोडः बीटीएस–4/टीएमए/ 2020

नोट : इस सत्रीय कार्य में दस प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें से आपको किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 600–600 शब्दों में लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। अपने अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

1) ''पर्यटन और विरासत एक दूसरे से संबंधित हैं''। मूल्यांकन कीजिए। समुचित उदाहरण दीजिए। 20

2) संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किन–किन मुख्य बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिए। 20

3) उत्तर वैदिक काल में परिवार और वंश परंपरा पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 20

4) भारतीय नृत्य के ऐतिहासिक विकास का वर्णन कीजिए। 20

5) कालिदास के नाटक ''विक्रमोर्वशीयम'' के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 20

6) भारत में मूर्तिकला के विभिन्न प्रकारों का विस्तृत विवेचना कीजिए। 20

7) निम्नलिखित जनजातियों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 20

   क) गारो
   ख) भूटिया
   ग) संथाल
   घ) अंडमानवासी

8) पर्यटन उद्योग में पुरातत्व के महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

9) भारत में हस्तशिल्प के बाजारीकरण की समीक्षा कीजिए। 20

10. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 20

   क) भारत की पर्यटन नीति
   ख) भक्ति आन्दोलन

टीएस–5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस–5 — कार्यक्रम : बीटीएस
कुल अंक : 100 — सत्रीय कार्य कोडः टीएस–5/टीएमए/ 2020

नोट : इस सत्रीय कार्य में दस प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें से आपको किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 600–600 शब्दों में लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। अपने अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

---

1. पर्यावरण एवं परिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित कीजिए तथा उनके भागों की व्याख्या कीजिए। 20

2. भारत के विभिन्न जैविक भौगोलिक क्षेत्रों की चर्चा कीजिए। 20

3. विकास से आप क्या समझते हैं? विकास का पर्यावरण से संबंध स्थापित करने में आने वाली सामाजिक एवं पारिस्थितिक समस्याओं की व्याख्या कीजिए। 20

4. पर्यावरण की चिंता के विषयों पर भारतीय दर्शन की संवेदनशीलता एवं प्रचुरता का अवलोकन कीजिए। 20

5. पर्यटन विकास में संरक्षण एवं संधारण की संकल्पना के महत्व की चर्चा कीजिए। 20

6. पर्यावरण की अवनति पर्यटन क्रियाओं कैसे प्रभावित करती है? पर्यटन द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के मार्ग सुझाइये। 20

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 150–150 शब्दों में टिप्पणी लिखिए। (5x4 =20)

   क) जीवोम
   ख) जैव विविधता
   ग) खाद्य श्रृंखला तथा खाद्य जाल
   घ) ओजोन परत का रिक्तिकरण

8. पर्यटन विकास किस प्रकार से स्थानीय जनसमुदाय के लिए अवसर तथा दबाव दोनों है? आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

9. होटल के क्रियाकलाप पर्यावरण को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? होटल व्यवसाय के कारण पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के लिए की जा रही पहल की चर्चा कीजिए। 20

10. अपने आप को पर्यटक मानते हुए समझाइये कि आप छुट्टी के दिनों में यात्रा करते समय किस प्रकार का व्यवहार करेंगे। 20